वर्ष 2025 | माह सितम्बर | अंक 45

देश की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार की प्रस्तुति

बालमन

नि:शुल्क बालमन को पढ़ने के लिए
QR कोड स्कैन करें या क्लिक करे

हिंदी हमारी जान और पहचान है

बच्चों की प्रतिभा को दे एक नया आयाम।
बालमन से मिले हर प्रतिभा को सम्मान।।

प्राथमिक विद्यालय अमौना , दाउदनगर, औरंगाबाद

रश्मि प्रभा

कार्यालय
संयुक्त निदेशक
राज्य शिक्षा शोध एवं
प्रशिक्षण परिषद
पटना(बिहार)

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई कि हमारे सरकारी विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा को प्रदर्शित कर प्रोत्साहित और सम्मानित करने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार 'बाल मन' पत्रिका का प्रकाशन विगत कई वर्षों से कैमूर जिले के शिक्षक सह प्रधान संपादक श्री धीरज कुमार द्वारा किया जा रहा है। इस प्रकार की मासिक पत्रिका का प्रकाशन बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से बच्चें ज्ञान, कला और सृजनशीलता के साथ सुनहरे भविष्य के लिए अपना मार्ग प्रशस्त करेंगे।
आशा है कि इस बाल मन पत्रिका से विद्यार्थी ,शिक्षक एवं समाज में सकारात्मक और उन्नत सोच विकसित होगा।

मैं इस उपयोगी पत्रिका के प्रकाशन के लिए बधाई देते हुए राज्य स्तर पर विद्यार्थी हित में बाल मन के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामना व्यक्त करती हूँ।

रश्मि प्रभा
ज्वाइंट डायरेक्टर
SCERT पटना (बिहार)

05 अक्टूबर 2024

सम्पादकीय

प्यारे बच्चों,

मानव जीवन बड़े भाग्य से मिलता है।इस जीवन को अनमोल और जन हितार्थ हेतु उपयोगी हमारे गुरु बनाते है।गुरु हमे पथ प्रदर्शक बन सही रास्ता दिखाते है।हमे सदैव अपने गुरुजनों का सम्मान करना चाहिए ,ठीक इसी तरह हमे अपनी भाषा के साथ सभी का भी सम्मान करना चाहिए। हिंदी भारत की राजभाषा और सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है।शिक्षक और अपनी भाषा का सम्मान ही आपको आगे बढ़ने में मददगार साबित होंगे।बालमन टीम आप सभी नन्हें कलाकारो का भी बहुत सम्मान करती है।आप सभी जिस तरह से बालमन से जुड़ कर अपनी प्रतिभा और कला को हम तक पहुंचाते हैं, ऐसे ही जारी रखे। राज्य स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर आपकी प्रतिभा सभी को पसंद आ रही है।

बच्चो ! हमे आपको बताते हुए बहुत ही हर्ष हो रहा हैं कि टीचर्स ऑफ बिहार बालमन सभी के बीच काफी लोकप्रिय है। हम शुरू से बेहतर से बेहतरीन की ओर अग्रसर है। इस महीने की पत्रिका को आपको समर्पित करते हुए हमे बहुत खुशी हो रही है। आज का जमाना सोशल मीडिया का है। यदि आपके पास कला है तो उसे अपने शिक्षको से जरूर साझा करे और बालमन की टीम के माध्यम से उसे जरूर हम तक पहुंचाए।

हमारी ToB बाल मन पत्रिका की टीम बेहतर से बेहतर करने के लिए सदा प्रयन्नशील है। अनजाने में कोई भूल या त्रुटि हुई हो तो उसके लिए हम क्षमाप्रार्थी है। हम आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते है।

शुभकामनाओं सहित

धीरज कुमार
प्रधान संपादक (बालमन पत्रिका)
N.P.S. हरनाटॉड
भभुआ, कैमूर (बिहार)

बालमन सम्पादक मंडल

प्रधान सम्पादक सह ग्राफिक्स डिजाइनर

धीरज कुमार, नव. प्रा. वि. हरनाटॉड, भभुआ कैमूर(बिहार)

राष्ट्रीय समन्वयक समिति

1. शरद कुमार वर्मा (उत्तर प्रदेश)
2. निकिता चौधरी (गुजरात)
3. सिध्दार्थ सपकाळे (महाराष्ट्र)
4. दीपिका श्रीवास्तव (छत्तीसगढ़)
5. अभय शर्मा (मध्य प्रदेश)

राज्य समन्वयक समिति

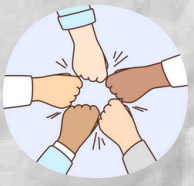

1.कुमार राकेश मणि, उ. मा. वि. कोटा, नुआंव (कैमूर)

2.राकेश कुमार, म.वि. बलुआ, मनेर (पटना)

3.रवि शर्मा,प्रा वि पकड़ी अनु.जाति टोला रामनगर(पश्चिम चंपारण)

4.पुष्पा प्रसाद, रा. कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट (गोपालगंज)

5.ओम प्रकाश, मध्य विद्यालय दोगच्छी, नाथनगर (भागलपुर)

संरक्षक

1. शिव कुमार, संस्थापक, टीचर्स ऑफ़ बिहार
2. ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन, ToB तकनीकी टीम लीडर

आपके लिए इस अंक में

पेज संख्या

1. अनमोल विचार ⟶ 01
2. प्रेरक प्रसंग ⟶ 02
3. आपने कहा ⟶ 04
4.अंतर खोजें ⟶ 05
5.डॉट्स मिलाओ ⟶ 08
6. नन्हें कलाकार ⟶ 09
7.रास्ता खोजें ⟶ 14
8. इंग्लिश कॉर्नर ⟶ 18
9. बालमन पेंटिंग ⟶ 19
10. हंसी के हंसगुल्ले ⟶ 25
11. रोचक गणित ⟶ 26
12. पेन पेंसिल आर्ट ⟶ 27
13.ब्लैक बोर्ड आर्ट ⟶ 30
14. दर्शनीय स्थल ⟶ 31
15.गुणकारी फल ⟶ 32
16. हम कम नहीं ⟶ 33
17.कहना जरूरी हैं ⟶ 34
18.क्विज टाइम ⟶ 37
19.बूझो तो जानें ⟶ 38
20. आओ सीखें ⟶ 40
21.चेतना सत्र ⟶ 43
22.बालमन कहानी ⟶ 45
23. यात्रा वृत्तांत ⟶ 49
24.बालमन अब तक ⟶ 50

अनमोल विचार

शिक्षक वो नहीं जो छात्र के दिमाग में तथ्यों को जबरन डाले बल्कि वास्तविक शिक्षक वो है जो उसे आने वाले कल की चुनौतियों के लिए तैयार करे ।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन
(भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति/भारत के द्वितीय राष्ट्रपति)
जन्म : 05 सितंबर 1888 मृत्यु : 17 अप्रैल 1975

पद्य पंकज

दो में से क्या तुम्हें चाहिए
कलम या कि तलवार
मन में ऊंचे भाव कि
तन में शक्ति विजय अपार

रामधारी सिंह दिनकर
जन्म : 23 सितंबर 1908 मृत्यु : 24 अप्रैल 1974

प्रेरक प्रसंग

||सपना और शब्द शक्ति||

एक बार की बात है, एक राजा ने रात में एक विचित्र स्वप्न देखा। उसने देखा कि उसके सारे दाँत टूट गए हैं, बस सामने का एक बड़ा दाँत बचा हुआ है। सुबह होते ही राजा चिंतित हो उठा और अपने दरबार में जाकर स्वप्न का फल जानने की इच्छा जताई।

राजा के मन्त्रियों ने सुझाव दिया कि राज्य के स्वप्न विशेषज्ञों को बुलाया जाए और स्वप्न का फलादेश पूछा जाए। राज्यभर में घोषणा की गई कि जो भी राजा के स्वप्न का सही फल बताएगा, उसे उचित इनाम दिया जाएगा। कई विद्वान दरबार में आए, लेकिन कोई भी राजा को संतुष्ट नहीं कर सका।

एक दिन, काशी से विद्या प्राप्त एक विद्वान दरबार में आया और राजा से कहा, "महाराज, मैं आपके स्वप्न का सही फल बता सकता हूँ।"

राजा ने उत्सुकता से उसे अपना स्वप्न सुनाया। विद्वान ने गहरी सोच के बाद कहा, "महाराज, आपका स्वप्न बहुत अशुभ है। इसके फलस्वरूप आपके परिवार के सभी सदस्य आपके सामने ही मर जाएंगे और अंत में आपकी मृत्यु होगी।"

राजा यह सुनकर क्रोधित हो गया और विद्वान को तुरंत जेल में डालने का आदेश दिया।

अगले दिन, एक साधारण व्यक्ति दरबार में आया और राजा से कहा, "महाराज, कृपया मुझे अपना स्वप्न बताइए, मैं उसका फल जानने की कोशिश करूंगा।"

राजा ने पुनः अपना स्वप्न सुनाया।

व्यक्ति ने थोड़ी देर सोचने के बाद कहा, "महाराज, यह स्वप्न बहुत शुभ है। इसका अर्थ है कि हम सभी प्रजा जन पर ईश्वर की विशेष कृपा है कि आप जैसे धर्मात्मा, पुण्यात्मा और प्रजापालक राजा को दीर्घायु (लंबी आयु) दी हैं। राजन आपके परिवार में आपकी आयु सबसे लंबी होगी। इस राज्य का यह सौभाग्य है कि आप कई वर्षो तक राज्य करेगें।"

राजा इस फलादेश को सुनकर अत्यंत प्रसन्न हुआ और उस साधारण व्यक्ति को विशेष सम्मान के साथ बहुत सारा धन-दौलत इनाम में दिया।

यद्यपि दोनों ही व्यक्तियों ने स्वप्न का एक ही फलादेश दिया था, लेकिन पहले व्यक्ति को बंदी बनाकर जेल में डाल दिया गया, जबकि दूसरे को सम्मानित किया गया।

बालमन

थोड़ा अलग हूं मैं

हर एक में एक सबसे अलग है,उसे पहचाने और घेरा लगाएं

1.

2.

3.

4.

5.

आपने कहा

ToB बालमन मासिक पत्रिका में हमारे विद्यालय के बच्चे को स्थान देने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद एवं आभार।बालमन पत्रिका का ये मंच बच्चों को आगे बढ़ाने को आतुर है। आपके मंच के द्वारा बच्चों का हौसला बढ़ता है एवं कुछ अच्छा करने को प्रोत्साहित होते है। यह बच्चों और शिक्षकों की सृजनात्मक अभिव्यक्ति, शैक्षणिक नवाचारों और प्रेरक विचारों को मंच प्रदान करती है। यह मासिक पत्रिका हर महीने में शिक्षा जगत की सोच, सवेदना और समर्पण को शब्दों में संजोती है।

पूजा कुमारी (शिक्षिका)
उत्क्रमित मध्य विद्यालय भर्राही
बाजार (मधेपुरा)बिहार

टीचर्स ऑफ बिहार बालमन पत्रिका के पूरी टीम का बहुत-बहुत धन्यवाद एवं आभार जो हम बच्चों के पंख में उड़ान भरने के लिए इस पत्रिका का प्रकाशन करते है। इस पत्रिका के द्वारा हम लोगों की एक नई पहचान बनती है एवं हौसला भी बढ़ता है।हम सभी बच्चे खुश हो जाते हैं। खासकर हमारे विद्यालय की पूजा मैम को धन्यवाद देना चाहती हूं कि इतना कम दिनों में हमारे विद्यालय आकर हम बच्चों को आगे बढ़ाने एवं प्रोत्साहित करने का काम की है।बालमन पत्रिका एक ऐसी पत्रिका बन गई है जिसका हम लोगों को बेसब्री से इंतजार रहता है।

सोनाक्षी कुमारी, वर्ग 6
उत्क्रमित मध्य विद्यालय भर्राही
बाजार, मधेपुरा(बिहार)

अन्तर खोजें

20 सेकंड में 5 अंतर खोजे और बन जाए स्मार्ट

आप अपने उत्तर को हमे व्हाट्सएप पर 9431680675 पर भेज सकते हैं।

ToB मास्टर साहेब कहिन....

बालमन श्यामपट्ट

हिन्दी दिवस 14 सितंबर को ही क्यों ?

वर्ष 1918 में गांधी जी ने हिन्दी साहित्य सम्मेलन में हिन्दी भाषा को राजभाषा बनाने को कहा था। इसे गांधी जी ने जनमानस की भाषा भी कहा था। 14 सितंबर, 1949 को भारत की संविधान सभा ने सर्वसम्मति से हिंदी को देवनागरी लिपि में भारत की राजभाषा के रूप में अपनाया।यह निर्णय 14 सितम्बर को लिया गया, इसी दिन हिन्दी के मूर्धन्य साहित्यकार व्यौहार राजेन्द्र सिंह का 50वाँ जन्मदिन था, इस कारण हिन्दी दिवस के लिए इस दिन को श्रेष्ठ माना गया था।

मास्टर साहेब: धीरज कुमार
N.P.S. हरनाटाड, भभुआ, कैमूर (बिहार)

जी लो अपनी जिंदगी

DHIRU AND PIHU

1 अरे नीलू इतनी उदास क्यों बैठी हैं?

2 क्या हुआ नीलू?तुम इतनी उदास क्यों बैठी हो?

3 क्या महावारी एक लड़की के लिए अभिशाप है?मुझे इस समय क्यों लोग दूषित मानते है?

1 महावारी नारी जीवन का वरदान है।इससे डरने और उदास होने की जरूरत नहीं है।हमे महावारी को लेकर अपनी नजरिया और सोच बदलना होगा।

2 पीहू सही कह रही हैं। टेंशन छोड़ो,खुल कर जियो।

3 तुम दोनों से बात कर मैं अब पहले से बेहतर महसूस कर रही हूं।

1 अब महावारी में भी मैं अब खुल गाते हुए आगे बढ़ूंगी।मैं शर्म नहीं करूंगी और भी बाकी लड़कियों का भी भ्रम दूर करूंगी।

2 ये हुई न बात

3 शाबास

1 तुमने देखा न धीरू....बात करने से किसी भी समस्या का समाधान होता है।

2 बिल्कुल सही कहा पीहू । जागरूकता और सही समय पर परामर्श बहुत उपयोगी होते हैं।

बालमन

रोचक तथ्य

राकेश कुमार

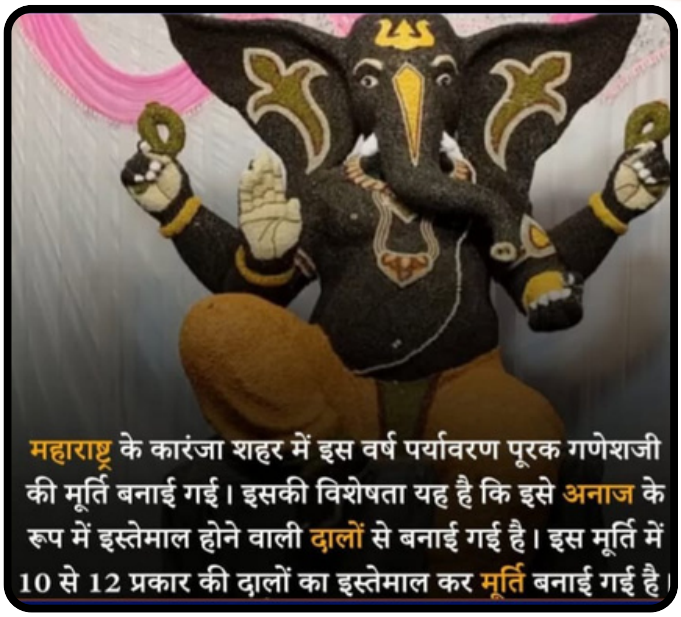

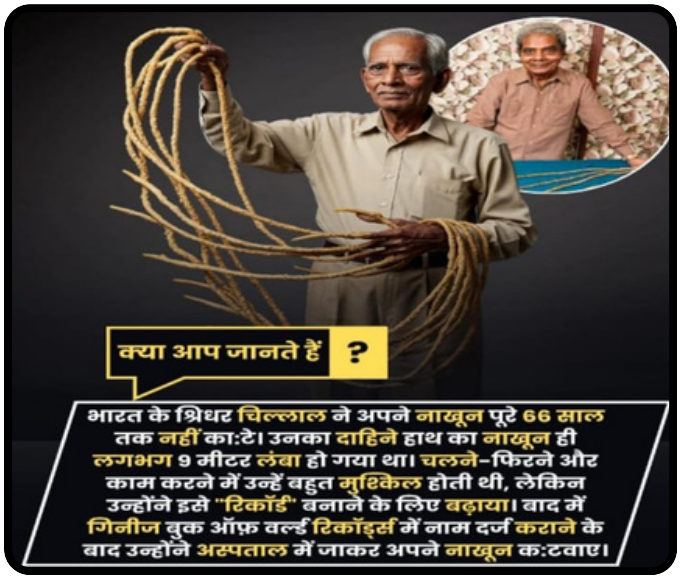

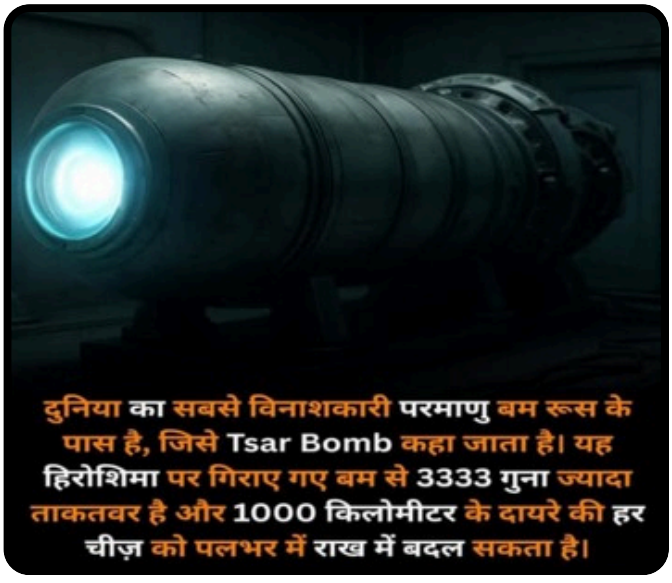

ToB बालमन

डॉट्स मिलाओ चित्र बनाओ

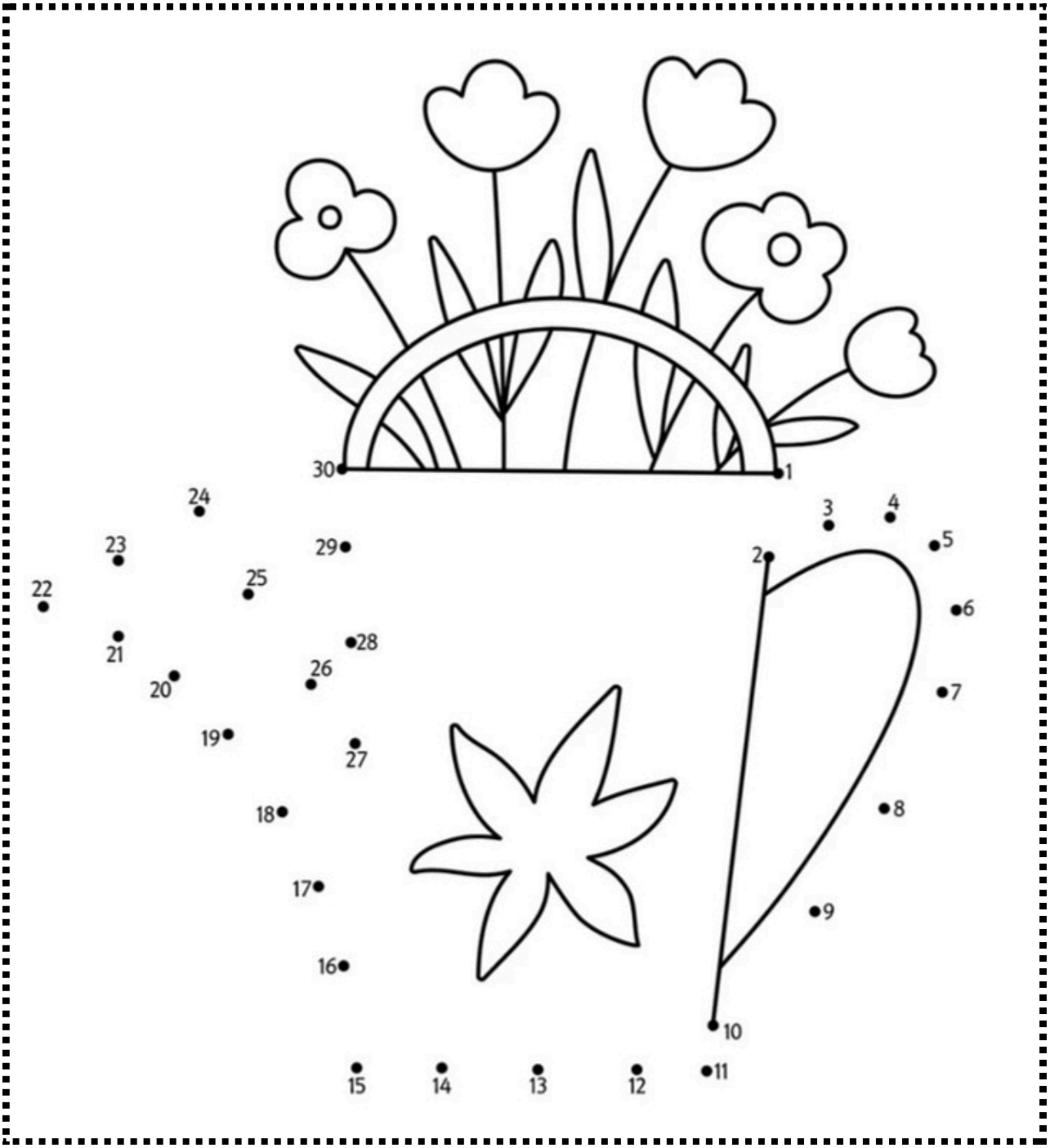

आप डॉट्स मिला कर बनी आकृति को रंग कर फोटो क्लिक कर 9431680675 पर भेज सकते है।

बालमन

नन्हें कलाकार

भाग-1

प्रा ०वि ० प्रखंड कॉलोनी फुलवारीशरीफ, पटना

उत्क्रमित मध्य विद्यालय चंदा, चांद, कैमूर

प्राथमिक विद्यालय बिहुलपुर, बक्सर

उत्क्रमित मध्य विद्यालय दुधरा , भभुआ कैमूर

N.p.s साहू टोला बाँध के निकट, जमुनिया, चकिया, पूर्वी चंपारण,

कन्या मध्य विद्यालय बिछियां, दुर्गावती,कैमूर

राजकीय मध्य विद्यालय बृजबनिया, चनपटिया ,पश्चिमी चंपारण

उ म विद्यालय मखदुमपुर फुलवारी शरीफ, पटना

मध्य विद्यालय वीरसिंहपुर,कल्याणपुर,समस्तीपुर

देव नारायण सिंह मध्य विद्यालय मकराईन,डेहरी,रोहतास

उ म विद्यालय असलान रामपुर गढ़हनी (भोजपुर)

सौजन्य से: सिद्धार्थ सर बालमन टीम महाराष्ट्र

प्रा वि प्रखंड कॉलोनी फुलवारी शरीफ पटना

NPS हरनाटांड, भभुआ, कैमूर

बालमन

स्वास्थ्य सुझाव

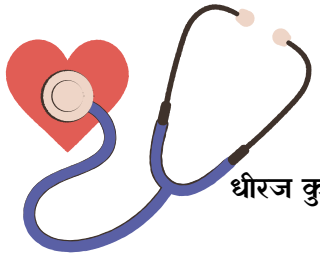

धीरज कुमार

Health is wealth

स्वस्थ जीवनशैली से पाए स्वस्थ जीवन

अपने आहार में वसा, चीनी और नमक की मात्रा कम करें, क्योंकि ये हृदय रोगों को बढ़ा सकते हैं।फाइबर युक्त भोजन, जैसे फल और सब्जियां, पेट, शरीर और दिमाग के स्वास्थ्य के लिए जरूरी हैं।

CYBERमंत्र

साइबर शिक्षा से साइबर सुरक्षा

अपने ऑपरेटिंग सिस्टम और सभी सॉफ़्टवेयर को नवीनतम सुरक्षा पैच के साथ अपडेट रखें।

OLD IS GOLD

स्वामी शिवानंद

भारत के सबसे बुजुर्ग व्यक्ति, स्वामी शिवानंद 127 साल की उम्र में भी योग और ध्यान से स्वस्थ हैं और उन्हें पद्मश्री सम्मान से भी नवाजा गया है।इनका जन्म 8 अगस्त 1896 को हुआ था।

फोटो साभार:NEWS 18 Hindi

बालमन

नन्हें कलाकार

भाग-2

रेलवे हायर सेकेंड्री स्कूल,चारबाग लखनऊ(उत्तर प्रदेश)

प्रा ०वि ० पचगांवा,भभुआ कैमूर

मध्य विद्यालय बसुआ, मनेर, पटना

UMS फुलवरिया,घंघटी चकिया पूर्वी चंपारण

मध्य विद्यालय मसदी पूर्व सुलतानगंज,भागलपुर

प्राथमिक शाला हरदी बिलासपुर छत्तीसगढ़

उर्दू प्राथमिक विद्यालय भागीरथपुर मोहनियां कैमूर

उर्दू प्राथमिक विद्यालय अख्तासपुर कैमूर

प्राथमिक विद्यालय खरांटी कुतबी, पालीगंज पटना

प्राथमिक विद्यालय पंचगावां भभुआ कैमूर

UMS चंदा, चांद, कैमूर

सौजन्य से: सिद्धार्थ सर बालमन टीम महाराष्ट्र

UMS फुलवरिया,घंघटी चकिया पूर्वी चंपारण

प्राथमिक विद्यालय खरांटी कुतबी, पालीगंज पटना

बालमन विज्ञान कविता

परमाणु

आओ बच्चों जाने हम,
परमाणु पर पूरा ग्यान।
तीन कणों से बना परमाणु,
प्रोटॉन, न्यूट्रॉन, इलेक्ट्रॉन।।

प्रोटोन हमारा धनावेशित,
ऋणावेशित इलेक्ट्रॉन।
न्यूट्रॉन न्यूट्रल है रहता,
नाभिक में संग-संग प्रोटॉन।।

सबसे पहले टॉमसन ने,
तरबूजें का मॉडल दिया।
बोलें बीज और फल जैसे,
रहते हैं प्रोटॉन, इलेक्ट्रॉन।।

मॉडल उनका समझ न आया,
पर खोज निकाला इलेक्ट्रॉन।
टॉमसन के कारण बच्चों,
हमने जाना इलेक्ट्रॉन।।

फिर आए थे रदरफोर्ड जी,
नाभिक में खोजा प्रोटॉन।
बोले घूमते रहते हैं,
वृतीय पथ पर इलेक्ट्रॉन।।

रदरफोर्ड ने धनावेश को,
नाम दे दिया था प्रोटॉन।
नील्स बोर के नए मॉडल ने,
सारी कमियों को दूर किया।

प्रोटॉन रहता है नाभिक में,
कक्षाओं में घूमते हैं इलेक्ट्रॉन।
चैडविक ने जिसको खोजा,
वह कण था बच्चों न्यूट्रॉन।।

ये थी कहानी परमाणु की,
और प्रोटॉन न्यूट्रॉन इलेक्ट्रॉन।।

डॉली मिश्रा (शिक्षिका)
म.वि. वीरसिंहपुर,कल्याणपुर
समस्तीपुर,बिहार

बालमन

नन्हें कलाकार

भाग-3

UMS उत्तर अमोल फलका ,कटिहार

NPS हरनाटाड, भभुआ, कैमूर

मध्य विद्यालय गौसाघाट, दरभंगा

UHS सलथुआ, कुदरा, कैमूर

प्राथमिक विद्यालय बक्सौहीह फलका,कटिहार

मध्य विद्यालय झौआ आजमनगर कटिहार

राजकीय कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट, गोपालगंज

मध्य विद्यालय बलुआ, मनेर पटना

मध्य विद्यालय बलुआ, मनेर पटना

मध्य विद्यालय जमुनिया खास पूर्वी चंपारण

प्राथमिक विद्यालय हासिमपुर बालक बराही, कटिहार

न्यू प्राथमिक विद्यालय छबपुरा रामगढ़ कैमूर

सौजन्य से: सिद्धार्थ सर बालमन टीम महाराष्ट्र

सौजन्य से: निकिता पटेल ,बालमन टीम गुजरात

बालमन

सही रास्ता खोजे

चिंटू और चिंकी को उनकी हिन्दी की किताब तक पहुंचने में मदद करे।

NPS बलरा दुसाध टोली,बरौली ,गोपालगंज

उर्दू प्राथमिक विद्यालय अखलासपुर, भभुआ, कैमूर

UMS फुलवरिया, घघंटी , चकिया, पूर्वी चंपारण

अभ्यास मध्य विद्यालय शेखपुरा

UMV Tejpurwa paharpur East Champaran

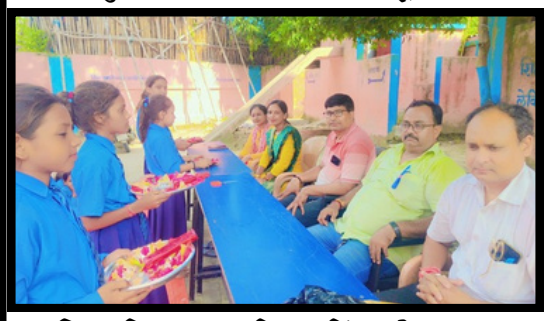

प्राथमिक विद्यालय महिसाइडिंग,सोनपुर सारण

मध्य विद्यालय बेलगोपी, गायघाट, मुजफ्फरपुर

प्राथमिक विद्यालय जगरिया, चैनपुर, कैमूर

Krityanand Middle School Malaypur Jamui

मध्य विद्यालय बलुआ, मनेर, पटना

मध्य विद्यालय अखलासपुर, भभुआ, कैमूर

NPS हरनाटाड, भभुआ, कैमूर

उच्च माध्यमिक विद्यालय नहरनियाँ(हटवरिया), हरलाखी, मधुबनी

प्राथमिक विद्यालय नौला मुसहरी, वीरपुर , बेगुसराय

प्राथमिक विद्यालय सत्तर कटैया , सहरसा

प्राथमिक विद्यालय मांगलवा झाझा, जमुई

बालमन शिक्षा शब्दकोश

भावनात्मक बुद्धिमता

भावनात्मक बुद्धिमत्ता (Emotional Intelligence या EI) अपनी भावनाओं को पहचानने, समझने, नियंत्रित करने और दूसरों की भावनाओं को समझने व उन पर प्रतिक्रिया देने की क्षमता है, ताकि तनाव को प्रबंधित किया जा सके, प्रभावी ढंग से संवाद किया जा सके, और रिश्तों व करियर में सफलता पाई जा सके. इसमें आत्म-जागरूकता, आत्म-प्रबंधन, सामाजिक जागरूकता और संबंध प्रबंधन जैसे मुख्य स्तंभ शामिल हैं।

बालमन

आओ सही जगह लगाएं Puzzle

दिए गए 9अलग हिस्सों को सही जगह पर लगा कर पूरा करे।

English Corner

OPPOSITE WORDS

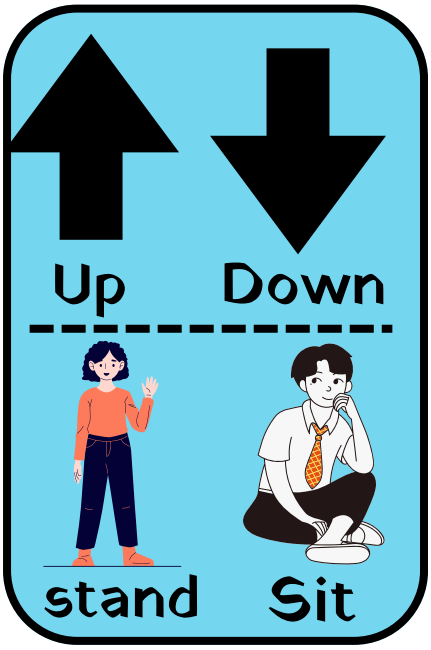

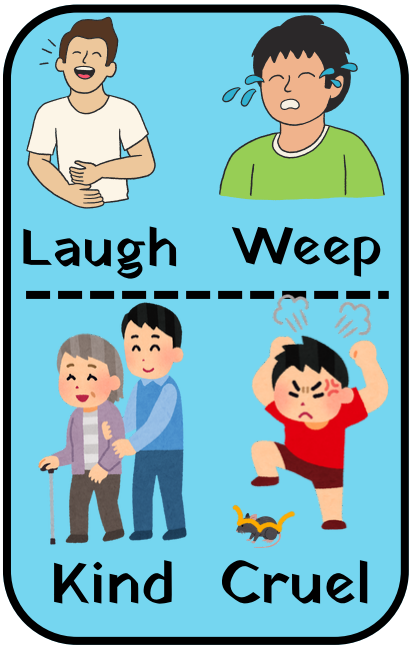

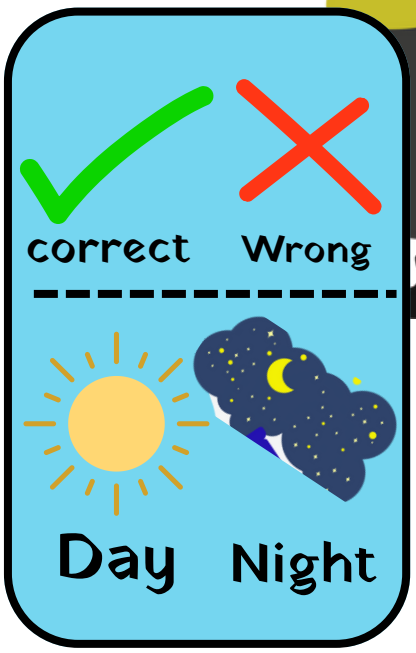

विज्ञान कॉर्नर

राजेश कुमार सिंह

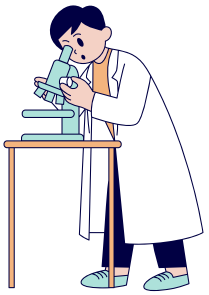

जीव विज्ञान (BIOLOGY) क्या है?

Biology शब्द ग्रीक (Greek) शब्द Bios तथा Logos से मिलकर बना है। जिसका अर्थ 'जीवन का विज्ञान' होता है।

सर्वप्रथम Biology शब्द का प्रयोग 1802 ई. में फ्रांसीसी वैज्ञानिक लैमार्क (Lamarck) व जर्मन वैज्ञानिक ट्रेविरानस (Trevirams) ने किया था।

जीव विज्ञान की 02 प्रमुख शाखाएं है - 1. जन्तु विज्ञान (Zoology), 2. वनस्पति विज्ञान (Botany)

बालमन पेंटिंग

भाग-1

NPS ककवा मुशहरी
अदसर

UMS सेदाबाद,शिवसागर,रोहतास

UMS नहरनियाँ(हटवरिया)
हरलाखी, मधुबनी

UMS जोगियामारन
रजौली,नवादा

प्रा विद्यालय हाशिमपुर बालक
कटिहार

प्रा विद्यालय पकड़ी
अनु जा टोला रामनगर

प्रा वि नवानगर, कोचस
रोहतास

प्रा विद्यालय पकड़ी
अनु जा टोला रामनगर

प्रा वि हरिजन टोला कलगीगंज
कहलगाँव, भागलपुर

राजकीय मध्य विद्यालय बृजबनिया,
चनपटिया जिला -पश्चिमी चंपारण

आधा अधूरा को करे पूरा

दिए गए चित्र को नीचे से ढूंढ कर पूरा करे।

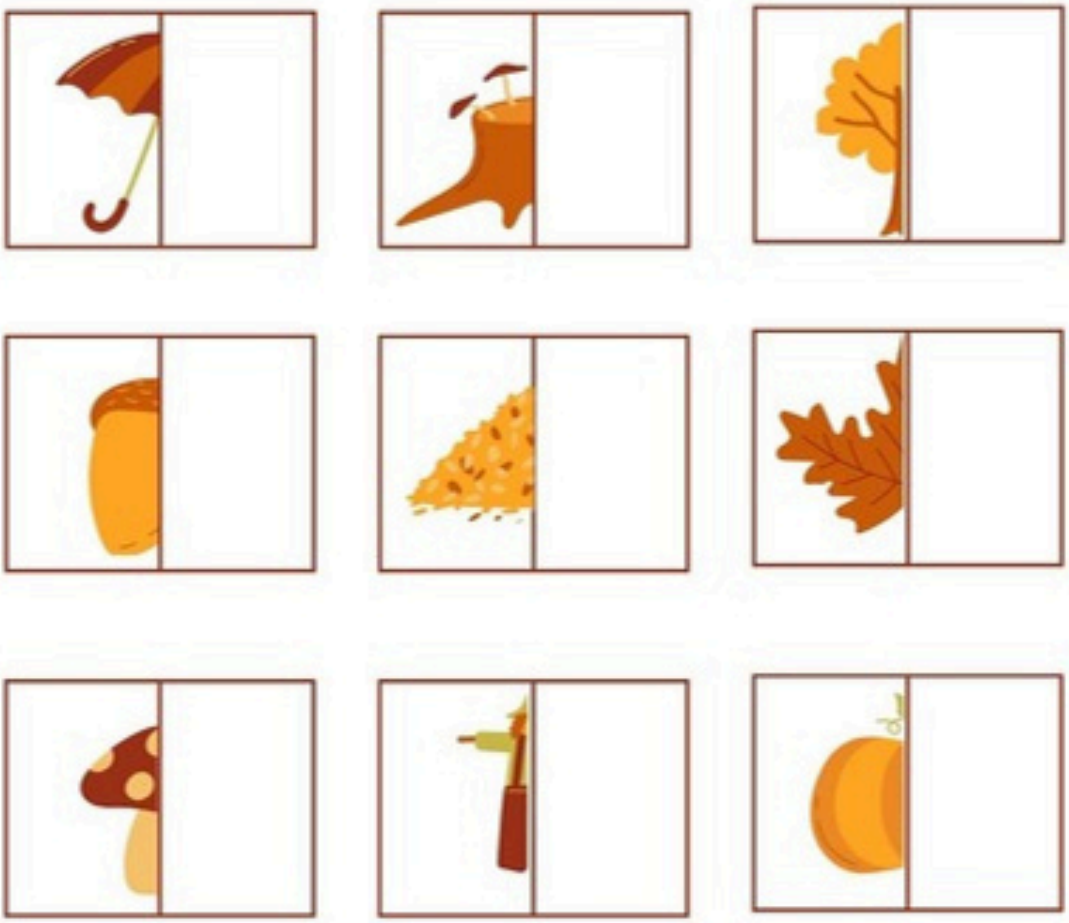

बालमन पेंटिंग

भाग-2

कन्या मध्य विद्यालय
विछियां दुर्गावती, कैमूर

रा. प्रा. वि. बथना
मेहसी, पूर्वी चंपारण

मध्य विद्यालय विष्णुचक समेली
जिला -कटिहार

प्राथमिक विद्यालय पचगांवा
भभुआ, कैमूर

रेलवे हायर सेकेंड्री स्कूल,चारबाग
लखनऊ(उत्तर प्रदेश)

उर्दू प्राथमिक विद्यालय अखलासपुर भभुआ कैमूर

UHS सलथुआ
कुदरा, कैमूर

UHS सलथुआ, कुदरा, कैमूर

प्राथमिक विद्यालय हरिजन
फतेहपुर पटना

NPS बलरा दुसाध टोली बरौली
गोपालगंज

पर्यावरण और स्वच्छता मित्र

UMS फुलवरिया घंघटी, चकिया,पूर्वी चंपारण

उच्च माध्यमिक विद्यालय नहरनियाँ(हटवरिया), हरलाखी, मधुबनी

मध्य विद्यालय जमुनिया खास घोड़ासहन, पूर्वी चंपारण

प्राथमिक विद्यालय छुरछूरिया, अररिया

मध्य विद्यालय मसदी पूर्व सुलतानगंज,भागलपुर

TOB खेल कॉर्नर

DURAND CUP

डूरंड कप, एशिया का सबसे पुराना और दुनिया का तीसरा सबसे पुराना फुटबॉल टूर्नामेंट है, जिसकी शुरुआत 1888 में शिमला में हुई थी। इसे ब्रिटिश भारत के तत्कालीन विदेश सचिव सर हेनरी मोर्टिमर डूरंड ने शुरू किया था, और इसका नाम उनके नाम पर रखा गया है। यह टूर्नामेंट मूल रूप से ब्रिटिश और भारतीय सशस्त्र बलों के बीच एक प्रतियोगिता के रूप में शुरू हुआ था, लेकिन धीरे-धीरे यह खेल और सौहार्द का प्रतीक बन गया।

डूरंड कप का इतिहास:

शुरुआत:
1888 में शिमला में ब्रिटिश भारत के तत्कालीन विदेश सचिव सर हेनरी मोर्टिमर डूरंड द्वारा स्थापित।

उद्देश्य:
ब्रिटिश और भारतीय सशस्त्र बलों के बीच खेल को प्रोत्साहित करना और उनमें सौहार्द बढ़ाना।

विकास:
1940 में दिल्ली स्थानांतरित, फिर भारतीय और पाकिस्तानी सेनाओं के बीच विभाजन के बाद दिल्ली में एक स्वतंत्र संस्था को सौंप दिया गया।

महत्व:
एशिया का सबसे पुराना और दुनिया का तीसरा सबसे पुराना फुटबॉल टूर्नामेंट।

www.teachersofbihar.org राकेश कुमार

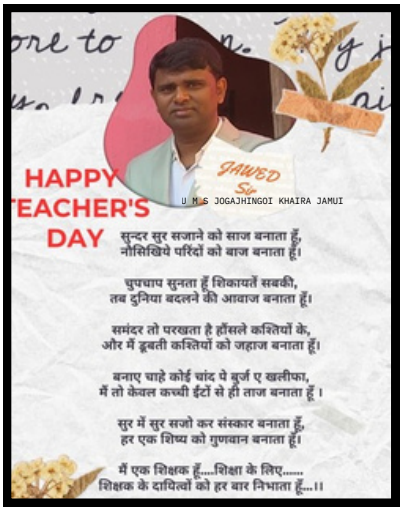

गर्व करो हिंदी पर

आओ मिलकर नमन करें,
फैले हिंदी चारों ओर।
गर्व करो हिंदी पर,
नित नूतन हो इसका भोर।
लिपि है इसकी देवनागरी
मातृभाषा यह कहलाती,
अनेक बोलियों को समा आंचल में
प्रेरणादायिनी यह कहलाती,
खास स्थान है इसका अपना,
जैसे राष्ट्रीय पक्षी है मोर।
आओ मिलकर नमन करें,
फैले हिंदी चारों ओर।
गर्व करो हिंदी पर,
नित नूतन हो इसका भोर।
मुझे गर्व है हिंदी भाषा पर
उन्नति करे यह हमेशा,
भाषाओं में गर्वीली है।
यह रूप इसका माता जैसा,
जहां भी होती इसकी चर्चा
आओ मिलकर नमन करें,
फैले हिंदी चारों ओर।

पुनीता कुमारी
(प्रधान शिक्षिका)
NPS बलरा, दुसाध टोली
बरौली, गोपालगंज

सुरक्षित नौपरिवहन का ज्ञान,
बचाता है हम सब की जान।
सफेद पट्टी का रखना ध्यान,
डूबा ना हो यह निशान।

आंधी बरखा और तूफान,
रखना हरदम इसका ध्यान।
अधिक जानवर या समान,
लादा ना हो उसे पर मनमान।

जीवन रक्षा के कुछ सामान,
रस्सी, जैकेट का हो इंतजाम।
पुरानी, टूटी ,जर्जर नाव,
पड़ जाएगी महंगे भाव।

सही समय पर हो नौ संचालन,
नाविक करें नियमों का पालन।
रहे प्रशासन की निगरानी, तो,
कभी ना हो जन-धन की हानि

-- durgmanghe upadhyay

" भगदड " (सुरक्षित शनिवार पर विशेष)

आओ बच्चो तुम्हे बताऊं , भगदड की परिभाषा,
कारण और बचाव बताकर, शांत करूं जिज्ञासा!
भीड भाड वाली जगहो पर, जब मचती भागमभाग,
बिना मतलब ही फैले जब अफवाहो का आग!
छठ पूजा का घाट हो चांहे , दशहरा का हो मेला,
भीड भरे बाजार मे लोगो का हो रेलम ठेला!
ऐसी जगहो पर होता भगदड,
जहां भागे लोग अकारण,
ज्यादातर घटनाएँ होती है, अफवाहों के कारण!
ऐसी स्थिति जब कभी, अचानक ही आ जाए,
बदहवाश मत भागे दौडे, अनुशासन को अपनाए!!
बच्चे, बुजुर्ग, और महिलाओ का विशेष ही रख्खो ध्यान!
ऐसी स्थितियों मे होता ज्यादा,इनका ही नुकसान!
अनावश्यक चीख पुकार पर, बिल्कुल
रख्खो काबू,
संयम से ही काम करो, जब भीड बने बेकाबू!
छोटी छोटी इन चीजो का ध्यान यदि
रख पाऐंगे!
भीड भाड वाली जगहो से, सुरक्षित वापस आऐंगे!!

-- durgmanghe upadhyay

बालमन कविता

हिन्दी दिवस

भारत की आत्मा, संस्कृति का दर्पण,
ज्ञान का दीपक, स्नेह का अर्पण।
अ से अज्ञानी को राह दिखाने वाली,
ज्ञ से ज्ञानी तक पहुँचाने वाली।

परंपरा, इतिहास और साहित्य का रंग,
सभ्यता की झलक, भावों का संग।
सरलता, सहजता की सुंदर पहचान,
हिंदी है भारत की आत्मा महान।

संविधान सभा का वह गौरव दिन,
14 सितंबर 1949 का अमर क्षण।
जब हिंदी बनी राजभाषा हमारी,
उज्ज्वल हुई पहचान प्यारी।

1953 से उत्सव की यह श्रृंखला चली,
जन-जन में हिंदी की ज्योति जली।
10 जनवरी को विश्वभर में,
मनता है अंतरराष्ट्रीय हिंदी दिवस
हर क्षण।

अनुच्छेद 343 कहे– संघ की भाषा हिंदी,
देवनागरी लिपि में मिले इसकी बिंदी।
अनुच्छेद 351 दे विकास का संदेश,
हिंदी हो प्रगति की पहचान विशेष।
संसद में हिंदी-अंग्रेज़ी का मान,
अनुच्छेद 120 में है इसका विधान।

आठवीं अनुसूची में भाषाओं का संग,
22 सुरों में हिंदी का रंग।
1960 में बना निदेशालय महान,
हिंदी संवर्धन का बढ़ा अभियान।

तीसरी सबसे बोली जाने वाली वाणी,
मॉरीशस, फिजी से लेकर नेपाल तक
जानी।
सिनेमा, शिक्षा, तकनीक की शान,
हिंदी बने अब वैश्विक पहचान।

चुनौतियाँ हैं—अंग्रेज़ी का वर्चस्व भारी,
गैर-हिंदी राज्यों की संवेदनशीलता भी
जारी।
पर अवसर हैं अपार—डिजिटल युग में,
हिंदी की गूँज है हर हृदय तरंग में।

नई शिक्षा नीति से बल मिलेगा,
हिंदी का विस्तार और प्रखर होगा।
सम्मान अगर हम इसे दिल से करें,
तो विश्व पटल पर हिंदी का ध्वज फहरें।

हिंदी दिवस का यह पावन संदेश,
अपनी भाषा का करें सदा आदर विशेष।
हिंदी है सेतु, हिंदी है सम्मान,
हिंदी है भारत की पहचान।

रश्मि (शिक्षिका)
उत्क्रमित मध्य विद्यालय
मखदूमबाद, अरवल
(बिहार)

बालमन पेंटिंग

भाग-3

रा म विद्यालय बृजबनिया
चनपटिया पश्चिमी चंपारण

NPS हाकम नया टोला, बैकुंठपुर,गोपालगंज

उर्दू प्रा वि करवडिया
चांद कैमूर

प्रा ०वि ० प्रखंड कॉलोनी
फूलवारीशरीफ, पटना

प्राथमिक विद्यालय हासिमपुर बालक, बरारी
कटिहार

उ म वि सेनुअरिया
चनपटिया प चम्पारण

प्रा वि जगरिया,
चैनपुर, कैमूर

प्रा वि बक्सीडीह, फलका,
कटिहार

मध्य विद्यालय वीरसिंहपुर
समस्तीपुर

प्रा वि मोहम्मदपुर
मोहनियां, कैमूर

प्राथमिक विद्यालय माही
साइडिंग सारण

हँसी के हसगुल्ले

अरविंद कुमार(शिक्षक)
NPS हसनपुरा, भभुआ
(कैमूर)

टीचर:- "क्लास में लड़ाई क्यों नही करनी चाहिए..?"

एक छात्र:-"क्योंकि पता नही एग्जाम में कब किसके पीछे बैठना पड़ जाये..!"

टीचर: बम्बई का नाम मुंबई कैसे पड़ा?

पप्पू: मुंबई में तीन प्रकार की भाषा बोलने वाले लोग रहते हैं-अंग्रेजी, गुजराती और मराठी.

टीचर: लेकिन इससे शहर के नाम पर क्या असर होगा?

पप्पू: अंग्रेजी में माता को Mummy कहते है जिसका शार्ट फॉर्म Mum है, गुजरात में माता को Ba (बा) भी कहते है और मराठी में माता को आई (i) कहते है।इन तीनों को मिलाकर "Mum + Ba + I" = Mumbai

टीचर जवाब सुन कर सोच में हैं ।

मैडम : स्कूल का समय 9:30 बजे का है और तुम 10:30 बजे क्यों आ रहे हो ?

पिंकू : मैडम आप मेरा इंतजार नहीं किया करे और पढ़ाना शुरू कर दिया करे।मेरे इंतजार और ध्यान में मत रहिए।

बालमन

रोचक गणित

MATH

जादुई संख्या 15873 और 37037

जादुई संख्या---15873 जिसमें 7 के गुणज से गुणा करने पर ये अद्भुत परिणाम आते हैं।----

15873 × 7 = 111111
15873 × 14 = 222222
15873 × 21 = 333333
15873 × 28 = 4444444
15873 × 35 = 555555
15873 × 42 = 666666
15873 × 49 = 777777
15873 × 56 = 888888
15873 × 63 = 999999

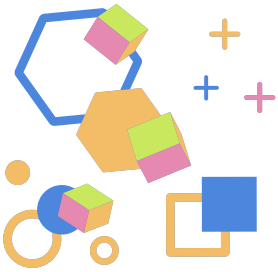

दूसरी इसी प्रकार की संख्या है 37037 जिसमें 3 के गुणज से गुणा करने पर यही अद्भुत परिणाम आते हैं।---

37037 × 3 = 111111
37037× 6 = 222222
37037 × 9 = 333333
37037× 12 = 4444444
37037× 15 = 555555
37037 × 18 = 666666
37037 × 21 = 777777
37037 × 24 = 888888
37037 × 27 = 999999

कुमार राकेश मणि
(प्रधानाध्यापक)
मध्य विद्यालय कोटा,
नुआंव(कैमूर) बिहार

बालमन

पेन और पेंसिल आर्ट

प्रा ०वि नवानगर, कोचस, रोहतास

प्राथमिक विद्यालय माही साइडिंग, सारण

राजकीय मध्य विद्यालय बृजवानिया ,चनपटिया, पश्चिमी चंपारण

प्रा ०वि नवानगर, कोचस, रोहतास

मध्य विद्यालय सलथुआ,कुदरा, कैमूर

राजकीय मध्य विद्यालय बृजवानिया ,चनपटिया, पश्चिमी चंपारण

राजकीय मध्य विद्यालय बृजवानिया ,चनपटिया, पश्चिमी चंपारण

NPS बलरा दुसाध टोली बरौली, गोपालगंज

UMS गौरा, भगवानपुर, कैमूर

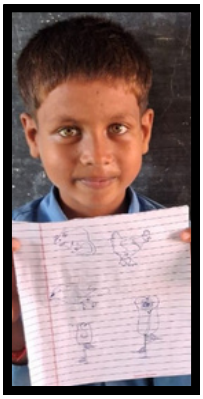

कन्या उत्क्रमित मध्य विद्यालय बिछियां, दुर्गावती, कैमूर

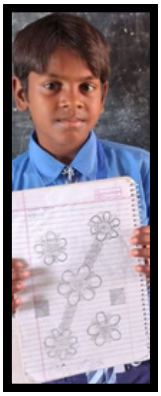

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम
(सुरक्षित शनिवार)
राकेश कुमार

stay safe

माह: September 2025

शनिवार	विषय
प्रथम शनिवार दिनांक 06.09.2025	डायरिया के सम्बन्ध में जानकारी तथा ओ.आर.एस. बनाने से संबंधित कौशल प्रशिक्षण
द्वितीय शनिवार दिनांक 13.09.2025	सड़क / रेल दुर्घटना से बचाव के संदर्भ में जानकारी
तृतीय शनिवार दिनांक 20.09.2025	भूंकप से खतरे एवं बचाव के बारे में जानकारी (मॉकड्रिल)
चतुर्थ शनिवार दिनांक 27.09.2025	नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के संदर्भ में जानकारी

माह: October 2025

शनिवार	विषय
प्रथम शनिवार दिनांक 04.10.2025	नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के सन्दर्भ में जानकारी
द्वितीय शनिवार दिनांक 11.10.2025	दशहरा / छठ / मुहर्रम / आदि पर्वो में भगदड़ संबंधी जोखिम एवं बचाव की जानकारी
तृतीय शनिवार दिनांक 18.10.2025	दिवाली के पटाखों एवं प्रदूषण से उत्पन्न स्वास्थ्य संबंधी जोखिम एवं बचाव
चतुर्थ शनिवार दिनांक 25.10.2025	सड़क दुर्घटना से बचाव के सन्दर्भ में जानकारी

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

www.teachersofbihar.org

ToB बालमन

Class 4 EVS

माह - सितंबर

आस-पास की सफाई

* जिस तरह हम रोजाना शरीर की सफाई करते हैं उसी तरह अपने घर व वातावरण को स्वच्छ बनाए रखना भी जरूरी है।
* आस-पास की साफ-सफाई में नगर निगम और स्वच्छता कर्मी का बहुत बड़ा योगदान रहता है।
* आस-पास की साफ-सफाई रखने की जिम्मेदारी स्वयं लेनी चाहिए ताकि साफ-सफाई से हम स्वस्थ रहें और वातावरण भी स्वच्छ रहें।
* कचड़ा उत्पन्न करने वाली चीजों का कम उपयोग करना चाहिए।
* गलने-सड़नेवाले कूड़े-कचड़े को गड्ढे में डालकर मिट्टी से ढँक देना चाहिए।
* घर एवं विद्यालय के कचड़े को डस्टबीन में एकत्र कर उचित जगह पर कूड़ादान या गड्ढा में डालना चाहिए।
* पुन: चक्रण हेतु प्लास्टिक, पॉलिथीन, सीसा, लोहा, कागज आदि को एकत्रित करना चाहिए।
* सब्जियों के छिलके ,बासी भोजन, चोकर, चावल के कण आदि जानवरों को देना चाहिए।

www.teachersofbihar.org पुनीता कुमारी

ToB बालमन

सही अक्षर पर गोला लगाओ

Punita Kumari

www.teachersofbihar.org

स्वर माला कविता

अ से अनार , करें नहीं आराम

आ से आम , करें बड़ा नाम

इ से इमली , पकड़े नहीं तितली

ई से ईख , करो नहीं चीख

उ से उल्लू, रात में जागा

ऊ से ऊँट, टेंट से भागा

ऋ से ऋषि , ज्ञान की खान

ए से एड़ी , रहे हमेशा चौड़ी

ऐ से ऐनक , सबके साथ

ओ से ओखली , रखो एक पोटली

औ से औरत , रहे घर में शोहरत

अं से अंगूर , दूर रहो ये लंगूर

अः से आह , है कितना चतुर

रवि शर्मा
प्रधान शिक्षक
प्रा वि पकड़ी अनुसूचित जाति टोला
रामनगर , पश्चिम चंपारण

ब्लैक बोर्ड आर्ट

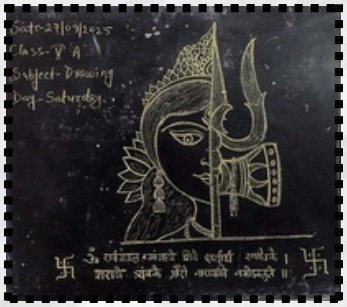

P S HARIJAN FATEHPUR(PATNA)

रा० प्रा० मकतब कबई नयाटोल, विद्यापतिनगर, समस्तीपुर

प्राथमिक विद्यालय महिसाइडिंग,सोनपुर (सारण)

मध्य विद्यालय गौसाघाट, दरभंगा

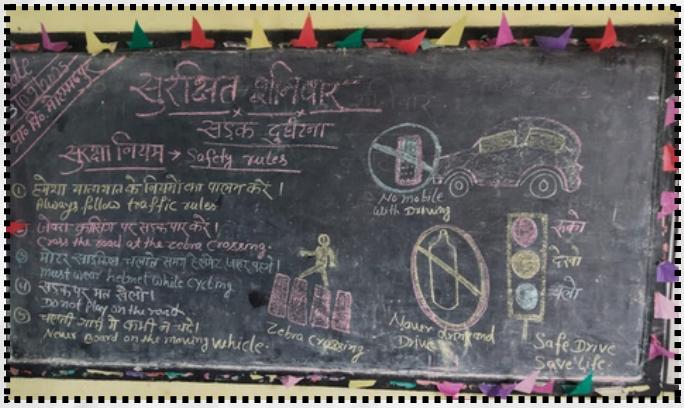

प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपुर, मोहनियां, कैमूर

UMS हरिहरपुर, भभुआ, कैमूर

प्राथमिक विद्यालय जनकबाग कुल्लाखास कसबा पूर्णिया

UMS भर्राही बाजार मधेपुरा

मध्य विद्यालय दुर्गा स्थान पूर्णिया

दर्शनीय स्थल

विष्णुपद मन्दिर

कुमार राकेश मणि

उत्तर भारत की सांस्कृतिक नगरी गयाजी में फल्गु तट पर भगवान विष्णु के पदचिह्न लिए विशाल विष्णुपद सनातन धर्मियों के लिए पूज्य है। जिसका इंदौर की धर्मपरायण महारानी अहिल्याबाई होल्कर के द्वारा जीर्णोद्धार किया गया।इसे जयपुर के कुशल कारीगरों द्वारा बनाया गया है।

मान्यता है कि भगवान विष्णु ने इसी स्थान पर दैत्य गयासुर की छाती पर पांव रख कर उसका वध किया था। जब भगवान विष्ण ने गयासुर को अपने पांव से धरती के अंदर धकेला तो इस चट्टान पर उनके पांव के चिन्ह बन गए। विष्णुपद मंदिर में भगवा के पदचिह्नों का श्रृंगार रक्त चंदन से किया जाता है। इस पर गदा, चक्र, शंख अंकित किए जाते हैं।

विष्णुपद मंदिर को सोने को कसने वाले पत्थर कसौटी से बनाया गया है। मंदिर के शीर्ष पर 50 किलो सोने का कलश और 50 किलो सोने की ध्वजा लगी है। गर्भगृह में 50 किलो चांदी का छत्र और 50 किलो चांदी का अष्टपहल है। मंदिर के गर्भगृह के द्वार को चांदी से बनाया गया है। इस मंदिर की ऊंचाई करीब सौ फीट है। मंदिर के गर्भगृह में भगवान विष्णु के 40 सेंटीमीटर लबे चरणचिह्न हैं, जिन्हें रक्त चंदन से श्रृंगारित किया जाता है। सभा मंडप में 44 स्तंभ हैं। 54 वेदियों में से 19 वेदी विष्णपुद में ही हैं, जहां पर पितरों के मुक्ति के लिए पिंडदान होता है। मंदिर की पत्थरों की नक्काशी और वास्तुकला अत्यंत दर्शनीय है।पितृपक्ष के अवसर पर यहां तर्पण के लिए देशभर से श्रद्धालु आते हैं। इस दौरान यहां काफी भीड़ रहती है। बताया जाता है कि यहां तर्पण करने के बाद भगवान विष्णु के चरणों के दर्शन करने से सभी दुखों का नाश होता है और पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। प्रतिवर्ष देश-विदेश से हिन्दू श्रद्धालु गयाजी आकर अपने पितरों का श्रद्धा के साथ श्राद्ध करते हैं। विष्णुपद मंदिर एक तीर्थस्थल है, जहाँ श्रद्धा, पुरातत्व, और आध्यात्मिक शाति का अद्भुत मेल है। पास में मां सीता सेतु ,मंगला गौरी मंदिर, ब्रह्मयोनि पर्वत, और महाबोधि मंदिर भी दर्शनीय हैं।

गुणकारी फल

पानीफल सिंघाड़ा

चमत्कारी पानीफल सिंघाड़ा पानी में उगने वाली एक प्रकार की सब्जी है जो सामान्य रूप से सितंबर से लेकर नवंबर दिसंबर के महीने तक मिलती है। पानी में होने वाली यह सब्जी कई महत्वपूर्ण पोषक तत्वों का एक बेहतरीन स्रोत है। शारीरिक क्षमता को बढ़ाने और कमजोरी को दूर करने के लिए यह चमत्कारी फल बेहद फायदेमंद है. इसके अद्भुत गुण शरीर को शक्ति और ऊर्जा प्रदान करते हैं । सिंघाड़े के आटे का इस्तेमाल व्रत आदि में बहुत ज्यादा किया जाता है। सिंघाड़ा खाने से सेहत को कई फायदे मिलते हैं। इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर के लिए बहुत उपयोगी माने जाते हैं। सिंघाड़े में पर्याप्त मात्रा में विटामिन ए, विटामिन सी, मैंगनीज, फाइबर, फोस्फोरस, आयोडीन, मैग्नीशियम आदि पाया जाता है। इसका सेवन करने से दिल की बीमारियों में भी बहुत फायदा मिलता है। कच्चे सिंघाड़े में एंटी-ऑक्सीडेंट, विटामिन और खनिज आदि पर्याप्त मात्रा में होते हैं। हार्मोनल बैलेंस के लिए कच्चा सिंघाड़ा बहुत फायदेमंद होता है।सिंघाड़ा का सेवन करने से शरीर एक्टिव बने रहने के साथ मेटॉबोलिज्म भी तेज बना रहता है। जिसकी मदद से व्यक्ति को तेजी से अपना वजन घटाने में मदद मिलती है।इसमें फ़ेनोलिक एंटीऑक्सिडेंट और बीटा-कैरोटीन, ज़ेक्सैंथिन और ल्यूटिन जैसे फ्लेवोनोइड्स होते हैं, जो मुक्त कणों से होने वाले नुकसान को कम करके कैंसर और सूजन से बचाते हैं।

कुमार राकेश मणि (प्रधानाध्यापक)
मध्य विद्यालय कोटा, नुआंव (कैमूर)

बालमन

हम किसी से कम नहीं

उत्क्रमित मध्य विद्यालय दुघरा, भभुआ, कैमूर

UMS भर्राही बाजार मधेपुरा

मध्य विद्यालय सिमराहा, फारबिसगंज, अररिया

प्राथमिक शाला हरदी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

मध्य विद्यालय गौसाघाट दरभंगा

मध्य विद्यालय दाऊद छपड़ा मीनापुर मुजफ्फरपुर

मध्य विद्यालय वीरसिंहपुर कल्याणपुर समस्तीपुर

जिल्हा परिषद मॉडेल स्कुल टिटोली,इगतपूरी,नाशिक (महाराष्ट्र)

बालमन

कहना जरूरी हैं....

आज माता पिता के लाड़-प्यार ने बच्चों को काफ़ी जिद्दी और अनुशासनहीन बना दिया है। बच्चों की सारी जिद पूरी करना भी माता-पिता के लिए नुकसानदेह हो सकता है। लाड-प्यार में की गई ज़िद पूरी करना आगे चलकर बच्चों के लिए मुसीबत बन सकती है । इससे बच्चों में कई तरह की कमियां आ सकती हैं, जो उनके भविष्य को प्रभावित कर सकती हैं। हर फरमाइश पूरी होने पर बच्चे आलसी और गैर-ज़िम्मेदार बन सकते हैं। उन्हें लगता है कि उनकी हर ज़रूरत पूरी की जाएगी, इसलिए उन्हें खुद कुछ करने की ज़रूरत नहीं है। बच्चों की हर बात या फरमाइश पूरी करते रहने से वे लापरवाह हो जाते है। साथ ही अगर उनकी बात न माना जाय तो उन्हें गुस्सा भी आने लगता है। वे अपनी बात मनवाने के लिए धमकी भी देने लगते है। ये धमकी आगे चलकर माता-पिता की कमजोरी बन जाती है जिसका फायदा वे हमेशा उठाने लगते हैं।

इसलिए, बच्चों की हर इच्छा पूरी करने के बजाय, माता-पिता को उन्हें ज़िम्मेदारी, आत्मविश्वास और दूसरों के साथ सहयोग करना सिखाना चाहिए। जिससे बच्चों में गलत आदतें आने से उनका बचाव किया जा सके। लाड़-प्यार अच्छी बात है लेकिन उसके आड़ में बच्चे और उनकी गलत फरमाइश पर नजर रखना और उसपर सही फैसला लेना उस बच्चे के हित में है और आपके भी हित में है।

कुमार राकेश मणि (प्रधानाध्यापक)
मध्य विद्यालय कोटा, नुआंव (कैमूर)

विश्व के धरोहर

काजीरंगा उद्यान

ब्रह्मपुत्र के बाढ़ के मैदानों में फैला, असम का काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, भारत के संरक्षण इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। 1985 में यूनेस्को द्वारा इसे विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था और यह भारतीय एक सींग वाले गैंडे के लिए विख्यात है। सम्पूर्ण विश्व में, ये पार्क अपने जीवों, ख़ास तौर पर एक सींग वाले राइनो के संरक्षण और अस्तित्व के लिए एक सफलता की कहानी के रूप में जाना और माना जाता है।

काज़ीरंगा राष्ट्रीय उद्यान असम में गुवाहाटी से 194 किमी. की दूरी पर स्थित है। यह राष्ट्रीय उद्यान विश्व धरोहर स्थल के रूप में जाना जाता है और यह भारत के सबसे अच्छे वन्यजीव अभयारण्यों में से एक है। प्रसिद्ध एक सींग वाला गैंडा इस वन्यजीव अभयारण्य में सबसे महत्त्वपूर्ण संरक्षित जीव प्रजाति है। विश्व के दो तिहाई गैंडे काज़ीरंगा में पाए जाते हैं।

वर्ष 2017 में भारत सरकार के प्रेस सूचना ब्यूरो द्वारा प्रकाशित लेख के अनुसार काज़ीरंगा राष्ट्रीय उद्यान पाँच बड़े वन्यजीवों के लिये लोकप्रिय है, जिनमें शामिल हैं: - गैंडे, जिनकी कुल संख्या 2401 है, हाल के एक सर्वेक्षण के अनुसार वर्ष 2022 में यह संख्या बढ़कर 2613 हो गई है।बाघ, जिनकी कुल संख्या 111 है,हाथियों की कुल संख्या 1165 है,एशियाई जंगली भैंसे,पूर्वी दलदली हिरण, जिनकी संख्या 1,148 है।

यही कारण है कि इस राष्ट्रीय उद्यान को देश में वन्यजीवों के लिये सबसे अच्छे स्थलों में से एक के रूप में जाना जाता है।

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान नवंबर से अप्रैल तक पर्यटकों के लिए खुला रहता है, और घूमने का सबसे अच्छा समय फरवरी और अप्रैल के बीच है। इस दौरान मौसम सुहावना रहता है और वन्यजीवों को देखने की संभावना अधिक होती है। मानसून के मौसम के कारण यह उद्यान मई से अक्टूबर तक बंद रहता है, जिस दौरान ब्रह्मपुत्र नदी इस क्षेत्र में बाढ़ ला देती है, जिससे यह दुर्गम हो जाता है।

कुमार राकेश मणि (प्रधानाध्यापक)
मध्य विद्यालय कोटा, नुआंव, कैमूर

बोलती तस्वीरें Part 1

धीरज कुमार+पुष्पा प्रसाद

पहला वेतन और बैग वितरण अंशु कुमार और सहयोगी शिक्षिका प्रियंका कुमारी
मध्य विद्यालय मलहाटोल,सीतामढ़ी

मंजू सिन्हा परियोजना बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय बख्तियारपुर, पटना

कन्या उच्च विद्यालय मनेर, पटना

प्राथमिक विद्यालय हाशिमपुर बालक, कटिहार

रामोदडी विद्यालय, आनंद (गुजरात)

UMS फुलवरिया घंघटी, चकिया, पूर्वी चंपारण

(बच्चे बने शिक्षक)
जिल्हा परिषद मॉडिल स्कुल
टिटोली,इगतपूरी,नाशिक महाराष्ट्र

प्राथमिक शाला हरदी, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

बालमन

QUIZ TIME

1 विश्व ओजोन दिवस कब मनाया जाता हैं ?

A 16 सितम्बर

B 23 अगस्त

C 02 अक्टूबर

सही उत्तर : A

2 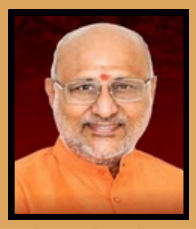 चित्र में दिखने वाले व्यक्ति कौन है ?

A सर्वपल्ली राधाकृष्णन

B जगदीश बसु

C सी.पी. राधाकृष्णन

सही उत्तर :C

3 भारत में शिक्षक दिवस पहली बार किस वर्ष में मनाया गया?

A वर्ष 1947

B वर्ष 1962

C वर्ष 1971

सही उत्तर :B

बालमन

बूझो तो जानें

धीरज कुमार

पहेली संख्या 1

चॉक और डस्टर से रिश्ता इनका जुड़ा है।
ज्ञान का सागर इनमें भरा है।
खुद मोमबत्ती की जल कर
हर ओर रौशनी फैलता है।

उत्तर : शिक्षक/गुरु

पहेली संख्या 2

देवनागरी लिपि मेरी।
मिठास और अपनेपन से भरी।।
जल्दी से बूझो
मैं कौन सी भाषा हूं भाई।।

उत्तर : हिंदी/भारती

पहेली संख्या 3

नारी हूं मैं,देवी रूप में पूजी जाती हूं।
दुष्टों का संहार कर जग में शांति फैलाती हूं।
नौ दिन नौ रूप में पूजी जाती हूं।
मुझे पहचानो जल्दी,मैं शेर सवारी हूं।

उत्तर : मां दुर्गा

पहेली संख्या 4

तलवार भी मेरे आगे
कमजोर पड़ जाती है।
मैं जिसे भा जाऊ उसे शिक्षित बनाती हूं।
छोटी सी हूं पर बड़े-बड़े काम में आती हूं।

उत्तर : कलम

पुष्पा प्रसाद+ धीरज कुमार

बालमन

बोलती तस्वीरें part 2

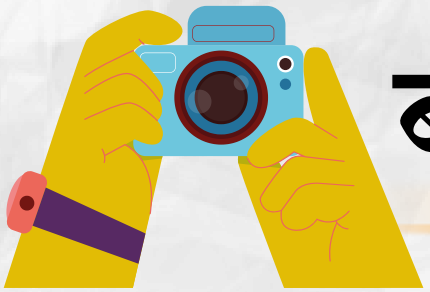

UMS असलान रामपुर गड़हनी भोजपुर

प्राथमिक विद्यालय छूरछुरिया,अररिया

प्राथमिक विद्यालय खरांटी कुत्तबी, पालीगंज, पटना

प्राथमिक विद्यालय पार्षद टोला मजगामा, कस्बा ,पूर्णियाँ

NPS बलरा दुसाध टोली बरौली, गोपालगंज

बालों में रिबन के साथ बच्चियां ,NPS हरनाटाड, भभुआ, कैमूर

बाल संसद के बच्चे, NPS कझार घाट, कुदरा, कैमूर

UMS phulwariya ghanghti Chakia

प्राथमिक विद्यालय अकरी, भभुआ, कैमूर

मध्य विद्यालय वीरसिंहपुर, कल्याणपुर, समस्तीपुर

प्राथमिक विद्यालय महिसाइडिंग,सोनपुर,सारण।

मेहंदी प्रतियोगिता
मध्य विद्यालय दुर्गा स्थान पूर्णिया

NPS भनखनपुर मोहनियां कैमूर

UMS सिलौटा भभुआ कैमूर

Gps Bathna Mehsi ,East champaran

बालमन जानकारी

जानिए आप किस जनरेशन से है...

अमृता कुमारी(शिक्षिका)
उच्च माध्यमिक विद्यालय बसंतपुर(सुपौल)

बच्चों इन दोनों जेन जेड (जनरेशन z) काफी चर्चा में है। पिछले दिनों हमने नेपाल देश में देखा कि राजनीतिक उथल पुथल में इनकी केंद्रीय भूमिका रही है।
"जनरेशन" (Generation) या पीढ़ी का अर्थ समान समय में जन्मे और पले-बढ़े लोगों का एक समूह है, जिनके विचार, अनुभव और दृष्टिकोण समान होते हैं।

आईए जानते हैं जनरेशन के भाग और उनकी जन्म अवधि क्या होती है:-

जनरेशन के भाग	अवधि वर्ष में जन्म लेने वाले
1.साइलेंट जनरेशन	1928 - 1945
2.बेबी बूमर्स	1946- 1964
3.जनरेशन एक्स	1965-1980
4.जनरेशन वाई (Y) या मिलेनियल्स	1981-1996
5.जनरेशन जेड (Z)	1997-2012
6.जनरेशन अल्फा	2010-2024
7.जनरेशन बीटा	2025-2039

अन्य संबंधित जानकारियां :-

हाल ही में इंडिया पिक्सल्स के रिपोर्ट अनुसार भारत में लगभग 37.7 करोड़ जेन जेड (Z)की आबादी है जिसमें से बिहार 32 प्रतिशत के साथ सबसे शीर्ष पर है। जेन जेड के प्रमुख गुणों में डिजिटल प्लेटफॉर्म को पसंद करने तथा रील्स तथा मीम जैसे छोटे वीडियो को देखना शामिल है।

आओ सीखें

संस्कार

किसी व्यक्ति के आचरण, विचार और व्यवहार को शुद्ध व श्रेष्ठ बनाने वाली प्रक्रिया या गुण। यह व्यक्तिगत स्तर पर होता है - यानी एक व्यक्ति के भीतर विकसित मूल्य, आदतें और चरित्र होती हैं।

जैसे : -बचपन से मिले अच्छे संस्कार जीवनभर काम आते हैं।

संस्कृति

किसी समाज या राष्ट्र की जीवन-शैली, रीति-रिवाज, परंपरा, कला और मूल्य । यह / सामूहिक स्तर पर होती है यानी पूरे समाज या राष्ट्र की पहचान और जीवन-पद्धति होती हैं।

जैसे : - भारतीय संस्कृति अपनी विविधता के लिए विश्व प्रसिद्ध है।

संक्षेप में :- संस्कार = व्यक्ति के भीतर का गुण।
संस्कृति = समाज की सामूहिक पहचान।

रवि शर्मा

शिक्षक दिवस विशेष

शिक्षक और शिष्य का रिश्ता

एक शिक्षक और शिष्य का रिश्ता सुंदर व महत्वपूर्ण होता है ।वेदों में भी गुरु की महिमा का गुणगान किया गया है। "गुरु ब्रह्मा गुरु विष्णु गुरु देवो महेश्वरा गुरु साक्षात परब्रह्म तस्मै श्री गुरुवे नमः "इस श्लोक का शाब्दिक अर्थ होता है गुरु ही ब्रह्मा गुरु ही विष्णु है गुरु ही शंकर है गुरु ही परम ब्रह्म है। भारत में शिक्षकों का सम्मान करने के लिए 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है इस दिन भारत के दूसरे राष्ट्रपति व आदर्श शिक्षक डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी का जन्म दिवस होता है इस दिन संपूर्ण भारत में श्रेष्ठ शिक्षकों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाता है ।

हर काम आसान हो जाता है जब श्रेष्ठ शिक्षक का सानिध्य मिलता है फिर जीवन में कितने भी उतार-चढ़ाव आए लेकिन गुरु के चरणों में ही ठहराव मिलता है।

किसी ने कहा है कि सब धरती कागज करूं लेखनी सब वनराय सात समंदर की मसीह करु गुरु गुण लिखा न जाए।

बच्चे अपने माता-पिता के पश्चात सबसे अधिक विश्वास अपने गुरु पर करते हैं।गुरु द्वारा कहे गए शब्द अपने मन में धारण कर लेते हैं इसलिए अध्यापक को अपना ज्ञान सदैव बांटते रहना चाहिए । शिक्षक के पास ही वह कला है जो मिट्टी को सोने में बदल सकती है।हमारे जीवन में शिक्षक का स्थान बहुत खास होता है जैसे माता-पिता हमें जीवन देते हैं वैसे ही हमारे शिक्षक हमें ज्ञान देकर अच्छा इंसान और जिम्मेदार नागरिक बनाते हुए हमें पढ़ाई के साथ-साथ अनुशासन सत्य मेहनत और अच्छे संस्कार भी सिखाते हैं शिक्षक दिवस के दिन बच्चे अपने शिक्षक को सम्मान करते हैं। इसदिन दिन स्कूलों में भाषण ,कविता और छोटे- बड़े कार्यक्रम होते हैं बच्चे अपने शिक्षक को धन्यवाद करते हैं और उनका आशीर्वाद लेते हैं।

निभा कुमारी ,वर्ग 8
उत्क्रमित मध्य विद्यालय मखदूमाबाद (अरवल)बिहार

बालमन कविता

किताब

मैं तुम्हारी किताब हूं बच्चों
सबकी आँखों का ख़्वाब हूँ बच्चों

मैं ही रस्ता तुम्हें दिखाती हूँ
मैं बुलंदी पे ले के जाती हूँ

मेरा रुतबा बड़ा ही आला है
मेरा अंदाज़ भी निराला है

जो भी मेरे क़रीब आता है
यूं समझ लो निखर सा जाता है

दोस्त मेरे अगर बनोगे तुम
बात मेरी अगर सुनोगे तुम

दिल लगा कर पढ़ो मुझे दिल से
मैं मिला दूंगी तुमको मंजिल से

मैं ही अफसर तुम्हें बनाउंगी
हां कलक्टर भी मैं बनाउंगी

हर जगह हाथों हाथ होती हूं
मैं विद्वानों के साथ होती हूं

जिंदगी का सबक़ भी अंदर है
जैसे कूज़े में एक समुन्दर है

मैं बहुत लाजवाब हूं बच्चों
मैं तुम्हारी किताब हूं बच्चों

रखशां हाशमी
+2 नेशनल अकादमी हाई स्कूल किशनगंज (बिहार)

पहल कौन करेगा?

समस्या यह नहीं कि इसे हल कौन करेगा?
समस्या यह है कि इसमे पहल कौन करेगा?

छवि जो बनी है सरकारी विद्यालय की!
छवि जो बनी है सरकारी विद्यार्थियों की!

बदलना हम शिक्षकों को है इस छवि को !
आखिर इसमें पहल कौन करेगा?

समस्या यह नहीं कि इसे हल कौन करेगा?
समस्या यह है कि इसमें पहल कौन करेगा?

बच्चों का वह बोलने में हकलाना !
अपनी बात कहीं पर रखने में डर जाना !
अपने आप को हर जगह कमतर महसूस कर जाना!
आखिर इन बच्चों को उनको मजबूत करने में अहम रोल कौन रहेगा?

समस्या यह नहीं कि इसे हल कौन करेगा?
समस्या यह है कि इसमें पहल कौन करेगा?

बच्चों को निरंतर विद्यालय में लाना !
उन्हें 100% पोशाक पहनवाना
उन्हें स्वच्छता का पाठ पढ़ाना!
उन्हें गृह कार्य पूरा करके लाना !

यू बातों को समझने में अटल कौन रहेगा?
समस्या यह नहीं कि इसे हल कौन करेगा ?
समस्या यह है कि इसमें पहल कौन करेगा?

बच्चे हमारे बहुत अच्छे
हम सब की बातों को है सुनते।
हम जो कहते हैं वही वे कर जाते !
बच्चों के भविष्य निर्माता हम शिक्षक!
इनके भविष्य निर्माण में आये चुनौतियाँ को सुलझाने में सहल कौन बनेगा?

समस्या यह नहीं कि इसे हल कौन करेगा ?
समस्या यह है कि इसमें पहल कौन करेगा?

सबनम खातून
यू.एम.एस फुलवरिया घनघटी
चकिया पूर्वी चंपारण (बिहार)

बालमन

चेतना सत्र

उत्क्रमित मध्य विद्यालय
चंदा, चांद, कैमूर

UMS असलान
रामपुर,गड़हनी,भोजपुर

मध्य विद्यालय ज़ुआफर
भगवानपुर हाट(सिवान)

न्यू प्राथमिक विद्यालय
हरनाटांड़
भभुआ (कैमूर)

प्रा ०वि ०
माहीसाइडिंग,
सोनपुर, सारण

UMS गोपालपुर,
नेउरा, सरैया,
मुजफ्फरपुर

गुरु का महत्व

बालमन

(शिक्षक दिवस विशेष)

गुरु और शिष्य का संबंध भारतीय संस्कृति का एक अत्यंत पवित्र और गहरा रिश्ता है। प्राचीन काल में गुरु और शिष्य रिश्ता बहुत ही सच्चा और अच्छा माना जाता है ।गुरू का कार्य केवल शैक्षणिक ज्ञान देना नहीं है,बल्कि वह शिष्य के चरित्र निर्माण, नैतिक शिक्षा और जीवन के सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करना है ।

गुरु अपने शिष्य को कठिनाईयो का सामना करने के लिए तैयार करता है और उसे आत्मनिर्भर बनाता है ।गुरु ज्ञान ,अनुभव और चेतना प्रदान करता है जबकि शिष्य श्रद्धा और सम्मान के साथ ज्ञान ग्रहण करता है और गुरु के निर्देशों का पालन करता है ।यह संबंध विश्वास और समर्पण पर आधारित है और शिष्य को अपने लक्ष्य को प्राप्त करने तथा जीवन में आगे बढ़ते रहने में मदद करता है। ऐसे ही उदाहरण प्रस्तुत कर रहे है हमारे शिक्षक राम कृष्ण कान्त तिवारी ।ये पढ़ाने के साथ साथ बच्चों को जीवन के मूल्यों और प्रतियोगिता के बारे में भी बताते है और अगर बच्चा प्रतियोगिता में भाग लेना चाहे तो उसके साथ दोस्त बनकर उसकी सहायता करते है ।हमारे शिक्षक कहते है कि जीवन में अगर कुछ करना है तो पहले खुद को बदलना सीखों ।अपने आप को विनम्र बनाओ ।अगर हम बदलेंगे तो युग बदलेगा ।हमारे शिक्षक कहते है कि अगर आप नैतिक रूप से सैद्धांतिक रूप से और चारित्रिक रूप से गलत नही है ,तो हम अपके साथ हमेशा खड़े है।उनका यह भी कहना है अगर जीवन में खुश रहना है तो किसी से उम्मीद मत लगाओ।एक शिक्षक के ये गुण यदि हम सभी भी खुद में धारण करे तो हम शिक्षित तो होंगे ही एक अच्छा इंसान भी बनेंगे।

व्हाट्सएप पर प्राप्त सदेश पर आधारित

प्रिया पांडेय (छात्रा) वर्ग 8
UMS असलान रामपुर, गड़हनी
(भोजपुर)बिहार

बालमन कहानी (हिन्दी दिवस विशेष)

अपनी माटी की बोली

यह कहानी है एक छोटे बच्चे की, उसका अपनी भाषा- बोली के प्रति खिंचाव हमें भावुक बना देता है।

रोहन वर्ग 6 का छात्र था। वह पटना के एक केंद्रीय विद्यालय में पढ़ता था। उसके पिता केंद्रीय विद्यालय में ही शिक्षक थे। रोहन का जन्म पटना में हुआ था। कहने का अर्थ यह कि जब से रोहन ने होश संभाला तब से वह बिहार राज्य में रह रहा था। इसलिए वह इस राज्य की भी भाषा - संस्कृति से अच्छी तरह जुड़ गया था।

एक दिन रोहन के पापा को एक पत्र अपने विभाग से मिला कि उनका ट्रांसफर केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम के केंद्रीय विद्यालय में हो गया है। फिर सभी लोग परिवार सहित तिरुवनंतपुरम आ गए। रोहित को इस स्थान पर आकर अच्छा नहीं लग रहा था । रोहन अपने पटना के दोस्तों की कमी के खलती थी। यहां के केंद्रीय विद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थी हिन्दी नहीं बोलते थे।

एक दिन पापा ने रोहन को बताया कि चलो आज घूमने चलते हैं । तिरुवनंतपुरम में भारत महोत्सव मेला लगा है। जहां देश के हर राज्य की प्रसिद्ध वस्तुओं के स्टॉल लगे हैं। तुम्हे अच्छा लगेगा और अपने देश के प्रति तुम्हारी जानकारी की बढ़ेगी।

रोहन अपने पापा- मम्मी के साथ भारत महोत्सव मेला गया। मेले में अंदर जाकर रोहन अपने माता- पिता के साथ घूमने लगा। तभी वह अपने पापा- मम्मी का हाथ छुड़ाकर भागा । अब रोहन के पापा- मम्मी चौंक उठे कि रोहन उनका हाथ छुड़ाकर कहां गया, वे भी तेज कदमों से उसकी दिशा में गए, जिस दिशा में रोहन गया था।

कुछ दूर जाकर देखा कि रोहन एक स्टॉल पर खड़ा था उस दुकान पर बोर्ड लगा था बिहार का मशहूर लिट्टी- चोखा। रोहन ने जब देखा कि उसके पापा- मम्मी भी उसके पीछे चले आये हैं तो वह बोल पड़ा; देखो, पापा, अपने पटना की दुकान। देखो दुकानदार भैया, अपनी हिन्दी में बोल रहे हैं और वही लिट्टी- चोखा की प्यारी- प्यारी खुशबू, जिसे हम छोड़कर यहां आ गए हैं। अब मैं मेले के इस स्टॉल पर थोड़ी देर रुकूंगा। मुझे लगता है इससे अच्छी जगह इस मेले में कहीं और नहीं होगी।

पापा- मम्मी भाव विभोर होकर
अपने बेटे रोहन की बात सुन रहे थे।

शरद कुमार वर्मा(शिक्षक)
रेलवे हायर सेकेंड्री स्कूल,लखनऊ
(उत्तर प्रदेश)

बालमन कविता

नारी एक शक्ति फिर क्यों गाली

मैं हूं एक नारी, ऐसा कहने वाले सबकी हूं आभारी।

लेकिन क्या नारियां सिर्फ गालियाँ सुनने के लिए होती है?

क्यों बात-बात पर, हर झगड़े में नारी ही पीस जाती है?

क्यों हर सौदे और जुए के बीच नारी ही चली आती है ?

क्यों दूसरे की बहन की देकर गाली ,खुद को कहते हो संस्कारी?

औरों की माँ धब्बा, तो क्या खुद की माँ बड़ी प्यारी है ?

औरों की बीबी को देखोगे छोटे कपड़ों में, तो खुद की बीबी को क्यों पहनाते साड़ी है?

तुम्हारी इस हालात पर तो हमको बहुत घिन आती है।

पर क्या करे हम चाह कर भी ,
कुछ तो नहीं सकते क्योंकि हम भी तो एक नारी है?

नाम- आकाँक्षा रानी,वर्ग- 10
क्रमांक- 21D
स्कूल:- उच्च माध्यमिक विद्यालय नहरनियाँ(हटवरिया),
हरलाखी, मधुबनी, बिहार

नवरात्र स्पेशल भाग 1

मध्य विद्यालय बेलागोपी , गायघाट (मुजफ्फरपुर)

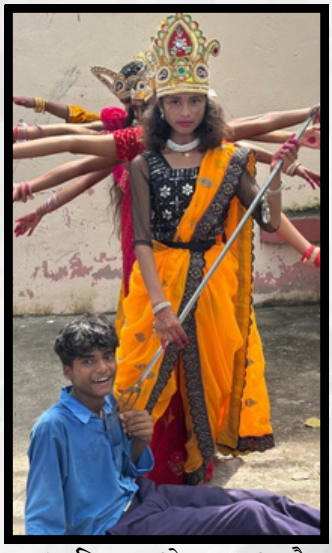

मध्य विद्यालय ओदार, भभुआ, कैमूर

मध्य विद्यालय दाऊद छपड़ा मीनापुर मुजफ्फरपुर

उ. म. वि .महुलिया लदनिया जिला मधुबनी

प्राथमिक विद्यालय माही साइडिंग, सारण

प्रा ०वि ० प्रखंड कॉलोनी फूलवारीशरीफ, पटना

NPS हरनाटाड, भभुआ, कैमूर

प्राथमिक विद्यालय माही साइडिंग, सारण

प्राथमिक विद्यालय बक्शीडीह ,फलका (कटिहार)

NPS कझार घाट , कुदरा, कैमूर

मध्य विद्यालय गोसाघाट, दरभंगा

प्राथमिक विद्यालय मिर्धाचक आदिवासी टोला कहलगांव (भागलपुर)

NPS कझार घाट , कुदरा, कैमूर

मध्य विद्यालय दाऊद छपड़ा मीनापुर मुजफ्फरपुर

प्रा ०वि ० प्रखंड कॉलोनी फूलवारीशरीफ, पटना

मध्य विद्यालय ओदार, भभुआ, कैमूर

UMS दुघरा, भभुआ, कैमूर

प्राथमिक विद्यालय खनेठी, रामगढ़, कैमूर

प्राथमिक विद्यालय जगरिया, चैनपुर, कैमूर

रा० उ० म० विद्यालय सेनुअरिया चनपटिया(पश्चिमी चम्पारण)

न. प्रा . वि.साहू टोला जमुनिया चकिया, पूर्वी चंपारण

P/S Janakbagh Kullakhas kasba Purnea

प्रा ०वि ० नवानगर कोचस, रोहतास

प्राथमिक शाला हरदी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

प्राथमिक विद्यालय खराटी कुत्तबी पालीगंज पटना

रा० उ० म० विद्यालय सेनुअरिया चनपटिया(पश्चिमी चम्पारण)

NPS बलरा दुसाध टोली बरौली, गोपालगंज

बालमन
नवरात्र स्पेशल
भाग 2

पर्दा कन्या मध्य विद्यालय आरा, भोजपुर

मध्य विद्यालय वीरसिंहपुर, कल्याणपुर, समस्तीपुर

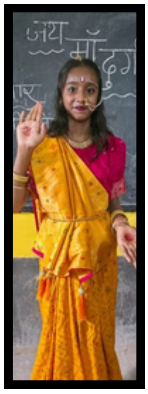

प्राथमिक विद्यालय माही साइडिंग, सारण

नीलोफ़र कमाल, कक्षा- सप्तम
माँ दुर्गा की सुन्दर सी तस्वीर सजा कर लाई
मध्य विद्यालय दुर्गा स्थान, पूर्णिया

M.S. BHARRAHI BAZAR MADHEPURA

NPS हरनाटाड, भभुआ, कैमूर

"बालमन प्रतियोगिता" यात्रा के अनुभव पर आधारित

यात्रा वृत्तांत

जीवन में यात्रा एक खुशनुमा और यादगार पल होता है।हर व्यक्ति की इच्छा होती है कि वह भी अपने परिवार के साथ आनंद लेते हुए घूमने - फिरने जाए।इसी क्रम में मैं आज से कुछ वर्ष पूर्व अपने परिवारवालों के साथ वैष्णो देवी की यात्रा पर निकला।पूरा परिवार इस धार्मिक यात्रा के लिए अत्यंत ही उत्साहित थे। एक से दो दिनों के सफर के उपरांत हमलोग जम्मू होते हुए कटरा पहुँचे।फिर वहाँ से माता के पवित्र गुफा के दर्शन करने हेतु पैदल ही निकल पड़े।पहाड़ों पर घुमावदार रास्ते से होकर हमलोग अर्धकुमारी पहुंचे।वहाँ रात्रि विश्राम के उपरांत पुनः माता के दर्शन हेतु निकल पड़े।रास्ते में टट्टू, घोड़ा, एवं पैदल यात्री जो यात्रा को दर्शनीय बनाते थें।जय माता दी के जयकारे से सारा रास्ता मानों गूँज रहा था।थोड़े ही समय में हमलोग माता के दरबार में पहुँच गए।संकीर्ण रास्ते से होकर हमारा पूरा परिवार माता के दिव्य दर्शन किए। मानो वर्षों की मन्नत आज पूरी हो गई हो। फिर वहाँ से लौटकर हमलोग उतराखंड स्थित हरिद्वार तथा ऋषिकेश भी गए।ऋषिकेश में रामझूला पर जाना एक अनोखा ही अनुभव था। शाम को गंगा आरती का मनमोहक दृश्य जैसे पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना रही थी। इसके पश्चात हमलोग मनसा देवी के मंदिर भी गए जो रज्जू मार्ग द्वारा जाया जाता है । इसके पश्चात हमलोग पुनः अपने घर को वापस लौट आए । वैसे तो मैने कई यात्राएँ की है । लेकिन अपने परिवार वालो के साथ घूमने का मजा ही कुछ और है ।

आशीष अम्बर(शिक्षक)
उक्रमित मध्य विधालय धनुषी, केवटी
दरभंगा(बिहार)

बालमन

वर्ष 2025 की पत्रिका को पढ़ने के लिए पत्रिका पर क्लिक करें।

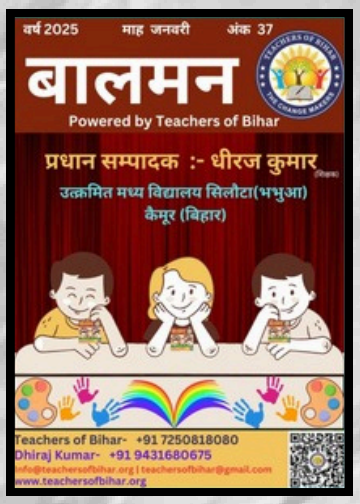

जनवरी 2025

फरवरी 2025

मार्च 2025

अप्रैल 2025

मई 2025

जून 2025

जुलाई 2025

अगस्त 2025

प्रधान सम्पादक: धीरज कुमार (शिक्षक)
नवसृजित प्राथमिक विद्यालय हरनाटांड़ ,भभुआ,
कैमूर (बिहार)

आप टीचर्स ऑफ बिहार बालमन पत्रिका से जुड़ कर बच्चों की प्रतिभा को एक आयाम देना चाहते हैं तो जरूर संपर्क करे ।

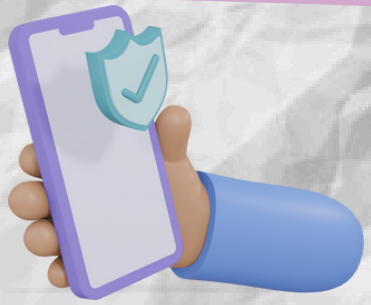

Teachers of Bihar : +917250818080
Dhiraj Kumar : +91 9431680675
teachersofbihar@gmail.com
www.teachersofbihar.org

ToB बालमन के व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़ने के लिए QR कोड को स्कैन करे या क्लिक करे।